की कल्पना को नष्ट न करें और साथ ही साथ महात्मा गांधी का निरादर न करें ।

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : श्रीमन्, मैं इस बात से बिलकुल इत्तिफाक करता हूं कि नई दिल्ली और खास तौर से नई दिल्ली का वह हिस्सा जहां यह फैसला किया गया है कि यहां महात्मा गांधी का बुत लगाया जाए, यह खूबसूरत जगह है और उसको खूबसूरत ही रहना चाहिए। लेकिन मैं सम्मानित सदस्य को . . .

(Interruptions)

SHRI N. G. RANGA (Andhra Pradesh): Where? At the India Gate, I hope.

श्री सिकन्दर बख्त : जी हां । मैं बताना चाहूंगा कि हमारे युग में हम ऐसा मानते हैं कि महात्मा गांधी से ज्यादा खूबसूरत कोई दूसरी हस्ती पैदा नहीं हुई और महात्मा गाधी का बुत वहां लगाने से वहां की खूबसूरती में इजाफा होगा ।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि उन्होंने फरमाया है कि अर्बन आर्टस कमीशन की सिफारिशात पर गौर करूं । मैं आनरेबुल मैम्बर की इत्तिला के लिए अर्ज करना चाहूंगा कि अर्बन आर्टस कमीशन ने इसका फैसला किया है कि महात्मा गांधी का बुत वहा लगाया जाए।

तीसरी बात यह अर्ज करना चाहता हूं कि इसका मुझे थोड़ा-सा रंज है.

श्री श्रीकान्त वर्मा : हबीब रहमान ने इसका विरोध किया है ।

श्री सिकन्दर बख्त : विरोध किया था, किया नहीं है । केवल टेन्स में फर्क है ।

तीसरी बात मैं यह अर्ज करना चाहता हूं, जिसका मुझे रंज है कि एक ओर तो माननीय सदस्य कहते हैं कि जगह जगह गली कूचों में न लगाय जाए, लेकिन महात्मा गांधी जैसी शख्सियत का बुत वह चांदनी चौक मे कहते है लगाया जाए, यह बात मेरी समझ में नहीं आती ।

SHRI N. G. RANGA: When are they going to have it, Sir?

श्री सिकन्दर बख्त : यह सवाल था नहीं, फिर भी मै बताना चाहता हूं कि मुल्क के बेहतरीन बुत-तराशों से नमूने मांगे जा रहे हैं, उनके नमूने मंगाने के बाद यह फैसला किया जाएगा कि कौन सा अच्छा है और जल्द से जल्द इसको स्थापित किया जाएगा ।

REFERENCE TO STRIKE BY WORKERS OF RANA PRATAP SAGAR ATOMIC PROJECT, KOTA

श्री कल्पनाथ राय (उत्तर प्रदेश) : आदरणीय सभापति महोदय, कोटा में तीन महीने पहले से प्रताप सागर अटामिक प्रोजेक्ट के चार हजार मजदूर हड़ताल कर रहे है । 6 सितम्बर को उन्होंने अपनी 9 मांगों का एक चार्टर आफ डिमांडस प्रस्तुत किया और तीन महीने से लगातार वहा एकदम हड़ताल है और मजदूरों की मांगें उचित है । राज्य सरकार इस लिए वहां के मामले में दखल नहीं दे सकती क्योंकि यह मामला केन्द्रीय सरकार का है। इसलिए राज्य सरकार ने वहां धारा 144 लगा दी है और पूरे एरिया में मारपीट का एक माहौल है । रोज दंगेफ़साद होते है, पचासों वर्कर्स को वर्खास्त कर दिया गया है, करीब दो सौ वर्कर्स को नोटिस दे दी गई है, इस तरह से रोज 40 मिलियन यूनिट बिजली का प्रोजेक्ट जो फायदा करता था उसमें हड़ताल के कारण तीन लाख रुपये प्रतिदिन का नुकसान हो रहा है । चार महीनों से यह हड़ताल चल रही है, मगर यह गूंगी और बहरी सरकार इस समस्या पर विचार करने के लिए भी तैयार नहीं है । वहां के मजदूरों ने प्रधान मंत्री से मिल कर एक चार्टर आफ डिमान्ड पेश किया था । लेकिन श्री मोरारजी देसाई ने कहा कि पहले हड़ताल समाप्त करो । उसके बाद हम तुम्हारी मांगों पर विचार करेंगे ।

[श्री कल्पनाथ राय]

मैं समझता हू कि यह सरकार का बहुत ही गलत दृष्टिकोण है। एक तरफ तो इस सरकार के बड़े बड़े मंत्रियों ने पिछले जमाने में हड़तालें करवाई और देश के मजदूरों की पीठ पर छुरा भोंका, दूसरी तरफ यह सरकार मजदूरों से बात भी नहीं करना चाहती है। मै इस सरकार से कहना चाहता हूं कि वह कोटा के राणाप्रताप सागर एटोमिक पावर प्रोजेक्ट के मजदूरों की मांगों को माने। मजदूरों की मुख्य मांगे ये है कि उनको प्रोजेक्ट एलाउन्स दिया जाय। दूसरी मांग उनकी यह है कि उनको बोनस दिया जाय। जब पहले प्रोजेक्ट एलाउन्स दिया जाता था तो अब उनको यह एलाउन्स क्यों नही दिया जा रहा है, यह एक तर्कसगत सवाल है। वहां पर एक दूसरी यूनिट भी बनने वाली है। इसलिए मै प्रधान मत्री से निवेदन करना चाहता हूं कि राजस्थान में रोज 40 मिलियन यूनिट बिजली बन्द हो रही है और वहां पर लगभग आधी बिजली बन्द हो गई है। इस वक्त राजस्थान में त्राहि-त्राहि मच रही है। ऐसी स्थिति म मै केन्द्रीय सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि कोटा के एटोमिक पावर प्रोजेक्ट में जो हड़ताल चल रही है उसको समाप्त करने के लिए कोई उचित कदम उठाये ताकि मजदूरों को लाभ पहुंच सके।

SHRI N. G. RANGA (Andhra Pradesh): There is no reply, Sir.

MR. CHAIRMAN: It is not compulsory. If the Minister feels like replying and if he has got full information, he will reply. Otherwise not.

REFERENCE TO ALLEGED ATTACK ON AN INDIAN DIPLOMAT IN WASHINGTON

श्री भीष्म नारायण सिंह (बिहार): सभापति महोदय, मै आपकी अनुमति से एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। आपने देखा होगा कि आज के लगभग सभी समाचार-पत्रों मे इस आशय का समाचार छपा है कि वाशिंगटन में भारत सरकार के एक एसिस्टेंट डायरेक्टर को किन्हीं लोगों द्वारा स्टेब किया गया है। इस संबंध मे जो समाचार छपा है उसके कुछ पोरशन को मैं यहां पर उद्धृत करना चाहता हूं—

"An Indian diplomat was stabbed and seriously wounded here last night as he was leaving his office.

Mr. Silla Koteswar, Assistant Director (Purchase) of the Indian Supply Mission, was rushed immediately to George Fashington University Hospital for treatment.

Mr. Koteswar, briefcase in hand, left the Supply Mission last night about 8.40 p.m. and had walked around to the parking lot to the rear of the building when he was assailed by a man with a knife in each hand. Although Mr. Koteswar tried to flee, the assailant plunged a seven or eight-inch-long knife into his hip."

इसमें आगे यह कहा गया है—

"According to Samachar, Mr. Koteswar, who was operated upon for five hours soon after his admission to hospital, will be kept on the critical list for the next four weeks.

(According to one version, there were two assailants—both Whites.)

Inquiries reveal that the Anand Marg has about 5,000 members in the US and some 35 in the Washington area."

[Mr Deputy Chairman in the Chair].

महोदय, यह घटना वाशिंगटन मे पहली बार घटी है। आप जानते है कि इस तरह की घटना के संबंध मे पिछले डेड़-दो महीनो से चिट्ठियां आ रही थी जिनमे इस प्रकार की धमकियां दी जा रही थी। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूं कि इन धमकियों को देखते हुए विदेशों में हमारे जो अधिकारी और कर्मचारी अपने उत्तर-